Daily Current Affair 01-03-2022

Important News: World

1. SWIFT (स्विफ्ट) सिस्टम से रूसी बैंकों को बहार किया गया

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में यूक्रेन पर रूस के हमले के विरोध में अमेरिका और यूरोपीय संघ (EU) ने कुछ रूसी बैंकों को **SWIFT (स्विफ्ट) (सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन)** मैसेजिंग सिस्टम से बाहर करने के लिये एक संयुक्त बयान जारी किया।

प्रमुख बिंदु

- रूस के केंद्रीय बैंक की संपत्ति भी जमी होने की उम्मीद है, जिससे मॉस्को की विदेशी भंडार तक पहुंचने की क्षमता में बाधा आ रही है।
- इस कदम का इरादा रूस को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली से और अलग करना है।
- इससे पहले केवल एक देश SWIFT से अलग हुआ था - ईरान।

SWIFT (सोसायटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन) के बारे में:

- SWIFT विश्वसनीय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म प्रदान करता है जो वित्तीय संस्थानों को धन हस्तांतरण जैसे वैश्विक मौद्रिक लेन-देन के बारे में जानकारी का आदान-प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

- जबकि SWIFT वास्तविक रूप से रुपए का लेन-देन नहीं करता है, यह 200 से अधिक देशों में 11,000 से अधिक बैंकों को सुरक्षित वित्तीय संदेश सेवाएँ प्रदान करके लेन-देन की जानकारी को सत्यापित करने के लिये एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है।
- यह बेल्जियम में स्थित है। यह बेल्जियम के अलावा कनाडा, फ्राँस, जर्मनी, इटली, जापान, नीदरलैंड, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे 11 औद्योगिक देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा देखरेख करता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

2. कनाडा ने दुनिया के पहले पौधे से प्राप्त COVID-19 वैक्सीन को मंजूरी दी

चर्चा में क्यों?

- कनाडा ने दुनिया के पहले पौधे से प्राप्त COVID-19 वैक्सीन **Covifenz** को मंजूरी दी।

प्रमुख बिंदु

- Covifenz को संयुक्त रूप से Medicago Inc., एक बायोफार्मा कंपनी और GlaxoSmithKline Plc द्वारा विकसित किया गया था।
- Covifenz पौधे-आधारित प्रोटीन से बना है जो कोरोनावायरस की तरह दिखता है और ग्लैक्सो के सहायक का उपयोग करता है जिसमें DL-अल्फा-टोकोफ़ेरॉल, स्क्वैलेन, पॉलीसॉर्बेट 80, फॉस्फेट-बफर सेलाइन होता है।

- अन्य अवयवों में पोटेशियम फॉस्फेट मोनोबैसिक निर्जल, निर्जल सोडियम क्लोराइड, सोडियम फॉस्फेट डिबासिक निर्जल और इंजेक्शन के लिए पानी शामिल हैं।
- सरल शब्दों में, वैक्सीन पौधों पर आधारित प्रोटीन का उपयोग करके ऐसे कण उत्पन्न करता है जो लक्ष्य वायरल रोगज़नक़ से मिलते जुलते हैं।

स्रोत: HT

Important News: India

3. अंतर्राष्ट्रीय मानसून परियोजना कार्यालय का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी, डॉ जितेंद्र सिंह ने **अंतर्राष्ट्रीय मानसून परियोजना कार्यालय (IMPO)** का शुभारंभ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2022 के अवसर पर किया।

प्रमुख बिंदु

- **अंतर्राष्ट्रीय मानसून परियोजना कार्यालय (IMPO)** की मेजबानी भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे में की जाएगी, जो कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक संस्थान है, जो शुरू में पांच साल के लिए है।
- इसमें अंतरराष्ट्रीय मानसून अनुसंधान से संबंधित गतिविधियों और कनेक्शनों को शामिल किया जाएगा, जिन्हें विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम और विश्व मौसम अनुसंधान कार्यक्रम के नेतृत्व में पहचाना और बढ़ावा दिया जाएगा।

byjusexamprep.com

- विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम और विश्व मौसम अनुसंधान कार्यक्रम दोनों संयुक्त राष्ट्र विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) द्वारा समन्वित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम हैं।

- अपनी मुख्य जिम्मेदारियों के हिस्से के रूप में, IMPO विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम के CLIVAR (जलवायु और महासागर परिवर्तनशीलता, भविष्यवाणी, और परिवर्तन) और GEWEX (वैश्विक ऊर्जा और जल विनिमय) परियोजनाओं द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित, मानसून पैनल की गतिविधियों का समर्थन करेगा।

नोट: यह मार्च 2022 में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम और विश्व मौसम अनुसंधान कार्यक्रम द्वारा संयुक्त रूप से भारत में आयोजित की जा रही मानसून पर 7वीं WMO अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला से पहले भी है।

स्रोत: PIB

4. राष्ट्रीय वयोश्री योजना

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की **'राष्ट्रीय वयोश्री योजना' (RVY योजना)** के तहत वरिष्ठ नागरिकों को दैनिक जीवन सहायता और सहायक उपकरणों के वितरण के लिए महाराष्ट्र में एक शिविर का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- उद्घाटन शिविर में 4800 दैनिक जीवन सहायता उपकरण और सहायक उपकरणों का वितरण 895 वरिष्ठ नागरिक लाभार्थियों के बीच किया गया।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना के बारे में:

- इसे 2017 में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था।
- यह वरिष्ठ नागरिक कल्याण कोष से वित्त पोषित एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।
- इसका उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे (BPL) श्रेणी के वरिष्ठ नागरिकों को दैनिक जीवन सहायता और सहायक उपकरण प्रदान करना है जो आयु से संबंधित विकलांग हैं।

नोट: 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में वरिष्ठ नागरिकों की जनसंख्या 10.38 करोड़ है। वरिष्ठ नागरिकों की 70% से अधिक आबादी देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है।

बुजुर्गों से संबंधित अन्य योजनाएं:

- बुजुर्गों के लिए SACRED पोर्टल
- संपन्न परियोजना
- एल्डर लाइन: बुजुर्गों के लिए टोल-फ्री नंबर
- SAGE (सीनियरकेयर एजिंग ग्रोथ इंजन) पहल
- वृद्ध व्यक्तियों के लिए एकीकृत कार्यक्रम (IPOP)
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना (IGNOAPS)
- माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण (MWPSC) अधिनियम, 2007
- प्रधानमंत्री वय वंदना योजना
- वयोश्रेष्ठ

स्रोत: PIB

5. 1 से 7 मार्च 2022 तक जन औषधि दिवस सप्ताह मनाया जाएगा

चर्चा में क्यों?

- फार्मास्युटिकल विभाग के अंतर्गत फार्मास्युटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइस ब्यूरो ऑफ इंडिया (PMBI) अपना चौथा जन औषधि दिवस मनाने जा रहा है। चौथे जन औषधि दिवस के अवसर पर सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न स्थानों पर सप्ताह भर (1 मार्च से 7 मार्च 2022) का आयोजन किया जाएगा।
- सप्ताह के अंतिम दिन यानी 7 मार्च को 'जन औषधि दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- चौथा जन औषधि दिवस का विषय "जन औषधि-जन उपयोगी" है।
- इससे जेनेरिक औषधियों के उपयोग तथा जन औषधि परियोजना के लाभ के बारे में जागरूकता पैदा होगी।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (PMBJP) के बारे में:

- नवंबर 2008 में रसायन तथा उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्युटिकल्स विभाग द्वारा PMBJP लॉन्च की गई।
- 31 जनवरी, 2022 तक स्टोरों की संख्या बढ़कर 8,675 हो गई है।
- **PMBJP** के अंतर्गत देश के सभी 739 जिलों को कवर किया गया है।
- यह योजना देश के प्रत्येक कोने में लोगों के लिए किफायती औषधि तक आसान पहुंच सुनिश्चित करती है।

byjusexamprep.com

- सरकार ने मार्च 2025 के अंत तक प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों (PMBJK) की संख्या बढ़ाकर 10,500 करने का लक्ष्य तय किया है।

स्रोत: PIB

Important News: Defence

6. INS विशाखापत्तनम

चर्चा में क्यों?

- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने 27 फरवरी 2022 को नौसेना डॉकयार्ड में आयोजित एक औपचारिक समारोह में, **INS विशाखापत्तनम** को समर्पित किया, जो स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित निर्देशित-मिसाइल स्टील्थ विध्वंसक है, जिसका नाम सिटी ऑफ डेस्टिनी - विशाखापत्तनम के नाम पर रखा गया है।

प्रमुख बिंदु

- INS विशाखापत्तनम PFR और मिलन 2022 में भाग लेने के लिए बंदरगाह की अपनी पहली यात्रा पर है।
- यह रेडार से बचने में सक्षम निर्देशित मिसाइल विध्वंसक श्रेणी के P15B वर्ग का प्रमुख जहाज है और इसे 21 नवंबर 2021 को कमीशन किया गया था।

- यह भारत की परिपक्व पोत निर्माण क्षमता और 'आत्मनिर्भर भारत' का लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में मेक इन इंडिया पहल की खोज का प्रतीक है।

स्रोत: PIB

Important News: Appointment

7. माधबी पुरी बुच को SEBI की पहली महिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया

चर्चा में क्यों?

- पूर्व बैंकर **माधबी पुरी बुच** को **भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI)** के नए अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है जो पूंजी बाजार नियामक का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनी।

प्रमुख बिंदु

- सुश्री बुच न केवल SEBI की पहली महिला पूर्णकालिक सदस्य थीं, बल्कि नियामक में काम करने वाली निजी क्षेत्र की पहली व्यक्ति भी थीं, जिन्हें तीन साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया गया है।

- ICICI बैंक के साथ अपने करियर की शुरुआत करते हुए, वह फरवरी 2009 से मई 2011 तक ICICI सिक्योरिटीज में प्रबंध निदेशक और CEO बनीं।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) के बारे में:

- SEBI वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के स्वामित्व में भारत में प्रतिभूतियों और कमोडिटी बाजारों के लिए नियामक निकाय है।
- इसकी स्थापना 12 अप्रैल 1992 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 के प्रावधानों के अनुसार की गई थी।

स्रोत: द हिंदू

Important News: Sports

8. भारत की सादिया तारिक ने मॉस्को वुशु स्टार्स चैंपियनशिप 2022 में स्वर्ण पदक जीता

चर्चा में क्यों?

- भारत की सादिया तारिक ने मॉस्को वुशु स्टार्स चैंपियनशिप 2022 में स्वर्ण पदक जीता है।

प्रमुख बिंदु

- वुशु स्टार्स चैंपियनशिप 22 से 28 फरवरी तक रूस के मास्को में आयोजित की गयी थी।
- श्रीनगर की रहने वाली सादिया तारिक जूनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप में दो बार की गोल्ड मेडलिस्ट हैं।

स्रोत: TOI

Important News: Important Days

9. 01 मार्च, शून्य भेदभाव दिवस

चर्चा में क्यों?

- शून्य भेदभाव दिवस संयुक्त राष्ट्र (UN) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 मार्च को मनाया जाने वाला एक वार्षिक दिवस है।

प्रमुख बिंदु

- शून्य भेदभाव दिवस का **विषय** "नुकसान पहुंचाने वाले कानूनों को हटाना, सशक्त बनाने वाले कानून बनाना" है।
- इस दिन का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों में कानून के समक्ष और व्यवहार में समानता को बढ़ावा देना है।
- यह दिन पहली बार 1 मार्च 2014 को मनाया गया था, और उस वर्ष 27 फरवरी को UNAIDS के कार्यकारी निदेशक मिशेल सिदीबे द्वारा लॉन्च किया गया था।

स्रोत: un.org

byjusexamprep